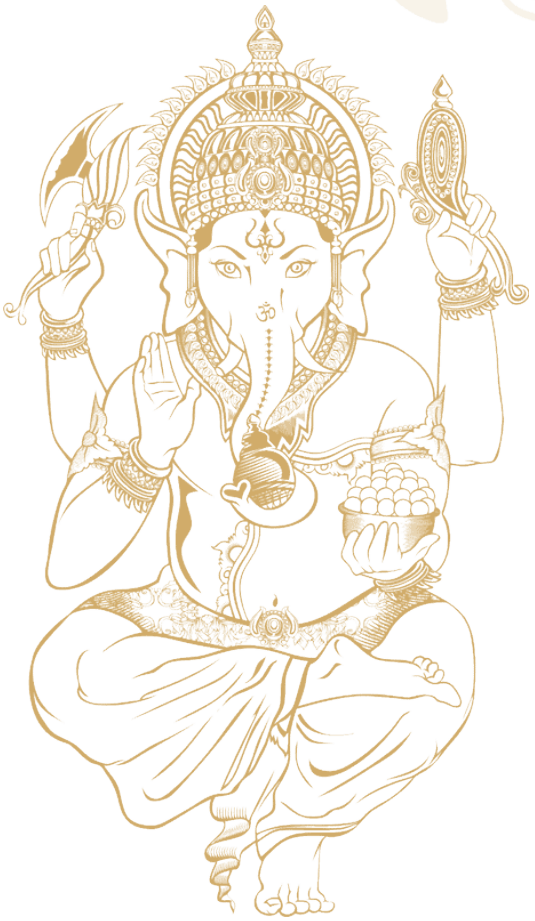

Tarun Mitali

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119611407

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
28/03/1999	जन्म तिथि	09/06/2001
रविवार	दिन	शनिवार
घंटे 18:05:00	जन्म समय	12:57:00 घंटे
घटी 29:30:24	जन्म समय(घटी)	18:55:26 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Delhi
28:39:00 उत्तर	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व	रेखांश	77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:16:50	सूर्योदय	05:22:49
18:36:24	सूर्यास्त	19:18:01
23:50:36	चित्रपक्षीय अयनांश	23:52:20

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
केतु 4वर्ष 10मा 18दि	07:26:13	कन्या	लग्न	कन्या	03:13:14	सूर्य 3वर्ष 8मा 28दि
सूर्य	13:32:37	मीन	सूर्य	वृष	24:39:25	राहु
15/02/2024	04:01:41	सिंह	चंद्र	मक	01:40:51	08/03/2022
14/02/2030	17:44:22	तुला व	मंगल व	धनु	00:17:26	07/03/2040
सूर्य 03/06/2024	28:09:29	कुंभ व	बुध व	मिथु	05:10:05	राहु 18/11/2024
चन्द्र 03/12/2024	16:19:41	मीन	गुरु	वृष	28:26:17	गुरु 13/04/2027
मंगल 10/04/2025	18:19:39	मेष	शुक्र	मेष	08:52:36	शनि 17/02/2030
राहु 04/03/2026	09:09:52	मेष	शनि	वृष	12:23:40	बुध 06/09/2032
गुरु 22/12/2026	27:33:13	कर्क व	राहु	मिथु	12:29:20	केतु 24/09/2033
शनि 04/12/2027	27:33:13	मक व	केतु	धनु	12:29:20	शुक्र 24/09/2036
बुध 09/10/2028	21:46:30	मक	हर्ष व	कुंभ	00:55:11	सूर्य 19/08/2037
केतु 14/02/2029	10:06:13	मक	नेप व	मक	14:40:50	चन्द्र 18/02/2039
शुक्र 14/02/2030	16:35:35	वृश्चि व	प्लूटो व	वृश्चि	19:55:11	मंगल 07/03/2040

लग्न-चलित

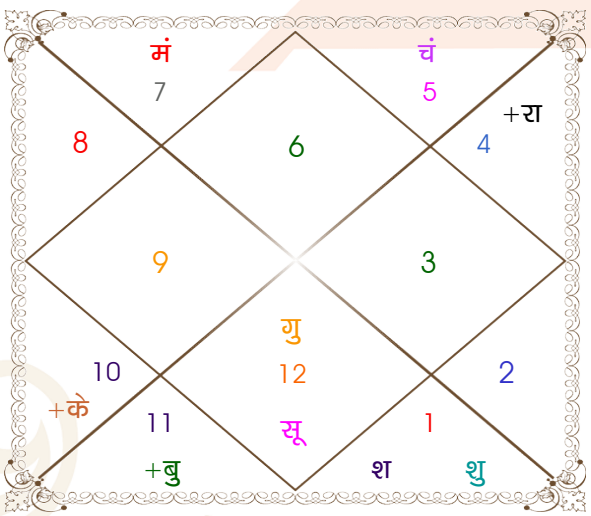

लग्न-चलित

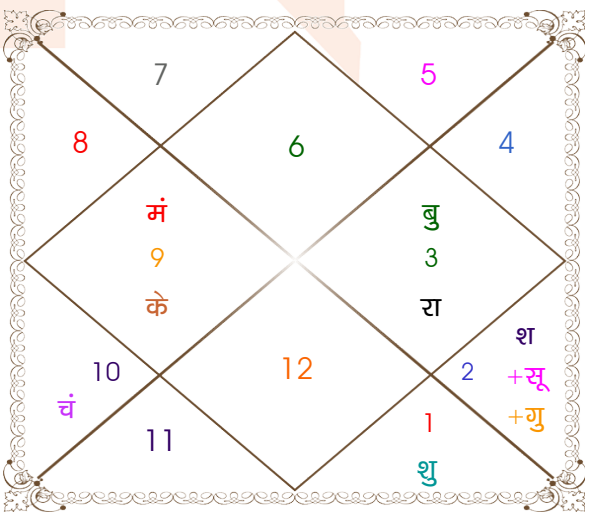

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	वनचर	चतुष्पाद	2	0.00	--	स्वभाव
तारा	मित्र	विपत	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मूषक	नकुल	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	सूर्य	शनि	5	0.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	मनुष्य	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	सिंह	मकर	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	अन्त्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	3.50		

गणदोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता नहीं है।

भकूट दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

Tarun का वर्ग मूषक है तथा Mitali का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Tarun और Mitali का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

Tarun मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वितीय भाव में स्थित है।

Mitali मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Tarun कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Tarun तथा Mitali में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।